सूफी आंदोलन

- सामान्य परिचय
- भारत में सूफी सिलसिले
- चिश्ती सिलसिला
- सुहरावर्दी सिलसिला
- अन्य प्रमुख सिलसले

सामान्य परिचय

1. **विकास → मध्य एशिया (7वीं सदी)**
2. **सूफी → सफा (अरबी शब्द) {पवित्रता} → सफेद ऊनी वस्त्र**
3. **सूफीवाद → इस्लाम का एक रहस्यमय और उदारवादी रूप**
4. **प्रभाव:-**
   - इस्लाम की गुह्य विद्या
   - विचारों की स्वतंत्रता
   - नव-प्लेटोवाद या नव-अफ़लातूनवाद
   - नव-प्लेटोवाद या नव-अफ़लातूनवाद
   - हठ योगी

5. **सिद्धांत:**
   - **बे शरा**: इस्लामी सिद्धांतों के बजाय आध्यात्मिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अनुभव पर केंद्रित
   - **बा शरा:** इस्लामी सिद्धांतों के समर्थक
   - सात घाटी (प्रेमी से फना)
6. **प्रमुख तथ्य:-**
   - **भारत में बसने वाले प्रथम सूफी संत:** ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (गरीब नवाज, अजमेर,1192)
   - **प्रथम महिला सूफी संत**: राबिया बसरी
   - **भारत की प्रथम महिला सूफी संत**: हजरत बीबी कमाल (जहानाबाद, बिहार)
7. **विशेषताएं:-**
   - जाति व्यवस्था की भर्त्सना
   - रहस्यवाद
   - आंतरिक शुद्धि
   - ध्यान क्रिया
   - प्रेम और भक्ति ही केवल ईश्वर तक पहुंचने का साधन
   - सादा जीवन
   - पीर-मुरीद परंपरा
     - पीर-मुरीद परंपरा
     - मुरीद - एक शिष्य या अनुयायी
     - खानकाह - एक आध्यात्मिक केंद्र
     - मलफुजात - उपदेश / प्रवचन

भारत में सूफी सिलसिले

1. अबुल फजल - 14
2. संत अल-हुज्विरी (कश्फ़-उल-महजूब) : 12
3. सिलसिला : आध्यात्मिक जंजीर या श्रृंखला:
   - चिश्ती सिलसिला
   - सुहरावर्दी सिलसिला
   - नक्शबंदी सिलसिला
   - कादिरिया सिलसिला

एक आध्यात्मिक जंजीर या श्रृंखला है, जो गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) तक सूफी ज्ञान के हस्तांतरण को दर्शाता है. यह श्रृंखला एक सूफी गुरु से उसके शिष्य तक आध्यात्मिक वंशावली को जोड़ती है

चिश्ती सिलसिला

1. भारत का प्राचीनतम सिलसिला : अबू इस्हाक शमी चिश्ती (मध्य अफगानिस्तान)
2. संस्थापक → ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती
3. केंद्र → अजमेर
4. प्रमुख संत
   - कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी
   - फ़रीदुद्दीन गंजशकर (बाबा फरीद) : गुरु ग्रंथ साहिब
   - निजामुद्दीन औलिया : सात सुल्तान
   - शेख बुरहानुद्दीन गरीब : दक्षिण भारत (दौलताबाद)
5. निजामुद्दीन औलिया के शिष्य - बुरहानुद्दीन ग़रीब, शेख नसीरुद्दीन (चिराग दिल्ली), अमीर खुसरो, अमीर हसन देहलवी
6. **अन्य तथ्य:-**
   - स्थापना : अबू इस्हाक शमी चिश्ती (अफगानिस्तान)
   - भारत में प्रचार : ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती
     - गुरु : ख्वाजा उस्मान चिश्ती
     - प्रमुख शिष्य : कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी
     - 12वीं शताब्दी में मुहम्मद गोरी की सेना के साथ
     - अजमेर (राजस्थान) में निवास
     - मृत्यु : 1236
   - फ़रीदुद्दीन गंजशकर (बाबा फरीद):
     - बलबन के दामाद
     - प्रमुख शिष्य : शेख निजामुद्दीन औलिया
   - शेख निजामुद्दीन औलिया (महबूब-ए-इलाही):
     - 'सुल्तान-उल-औलिया' (संतों का राजा)
     - शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह : गियासपुर (दिल्ली)
     - सात से अधिक सुल्तानों का राज्य : कभी भी किसी के दरबार में नहीं गए।
   - शेख सलीम चिश्ती ('शेख-उल-हिंद'):
     - पिता : शेख बहाउद्दीन
     - सीकरी, आगरा : अकबर ने अपने प्रसिद्ध नगर फतेहपुर सीकरी का रूप प्रदान किया।
     - जहांगीर का जन्म शेख सलीम चिश्ती के आशीर्वाद से हुआ था।

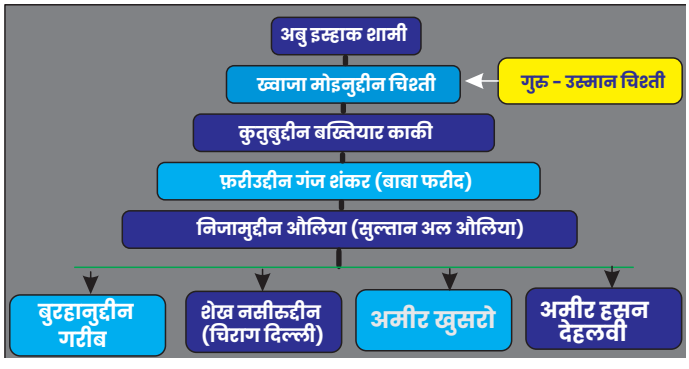

सुहरावर्दी सिलसिला

1. स्थापना: **बगदाद में शेख शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी: 'फर्र-ए इजदी' का विचार, जो मुगल राजतंत्र का आधार था**
2. भारत में संस्थापक → शेख बहाउद्दीन जकारिया (इल्तुतमिश द्वारा शेख उल इस्लाम की उपाधि)

3. क्षेत्र → मुल्तान व सिंध
4. चिश्ती सिलसिले के विपरीत
   - राजकीय संरक्षण
   - धन इकट्ठा करने
   - राजनीतिक मामलों में सक्रिय रूप से भाग
   - आरामदेह जीवन
5. फिरदौसी : सुहरावर्दी सिलसिले की एक शाखा
   - बिहार में लोकप्रिय : संत शर्फुद्दीन याहया मनेरी

नक्शबन्दी सम्प्रदाय	फिरदौसी सम्प्रदाय	कादिरी सम्प्रदाय	सत्तारी सम्प्रदाय
➤ 'सिलसिला -ए-ख्वाजगान ➤ स्थापना – **ख्वाजा बहाउद्दीन नक्शबंद** ➤ भारत में प्रचार: **ख्वाजा बकी बिल्लाह** ➤ **सर्वाधिक कट्टरवादी** सिलसिला ➤ संगीत का विरोध ➤ **मौन ज़िक्र और शरिया** के सख्त पालन ➤ संत **अहमदुल्लाह अहरात का शिष्य: बाबर** ➤ संत **शेख अहमद सरहिन्दी** (मुजाहिद) : बादशाह जहाँगीर ➤ संत **शेख मासूम: बादशाह औरंगजेब**	➤ संस्थापक: शेख बदरुद्दीन समरकंदी ➤ कार्य क्षेत्र: **बिहार** ➤ सबसे प्रसिद्ध संत: **शफूद्दीन यहिया मनेरी**	➤ संस्थापक : शेख अब्दुल कादिर जिलानी ('पीरान-ए-पीर' या 'पीर-ए-दस्तगीर'), बगदाद ➤ खानकाह : उच्छ (सिंध) ➤ संगीत का विरोध ➤ हरे रंग की पगड़ी ➤ **मियाँ मीर और मुल्ला शाह बदख्शी : शाहजहाँ का पुत्र दारा शिकोह**	➤ भारत में संस्थापक: शेख अब्दुल सत्तार ➤ स्थापना: लोदी काल ➤ उपदेश: मेरे पास आये ,ईश्वर तक पहुँचाऊँगा ➤ प्रमुख संत: मोहम्मद गौस ग्वालिरी ➤ बाबर, हुमायूं और अकबर के समकालीन

कलंदरिया सम्प्रदाय

- संस्थापक : अजीज मक्की
- भारत में प्रचार : नजमुद्दीन कलंद
- प्रारम्भ में निजामुद्दीन औलिया के शिष्य
- मक्का की 42 बार यात्रा की।
- इस शाखा के संत घुमंतु होते थे।
- वे सिर मुंडाते थे तथा हिन्दू नागाओं की भाँति शरीर के अंगो में लोहे के छल्ले डालते थे।

क्या आप जानते हैं

- कादिरी
  - मखदूम जिलानी : सिकन्दर लोदी
  - संत मुल्ला शाह : दारा शिकोह
- नक्शबन्दी
  - अहमदुल्लाह अहरात : बाबर
  - अहमद सरहिन्दी : जहाँगीर
  - संत शेख मासूम : औरंगजेब

समां' - सूफी परंपरा में धार्मिक गीत (पवित्र गीत)
ज़ियारत - पवित्र स्थानों, जैसे कब्रों या दरगाहों की यात्रा करना